

ये अव्यक्त इशारे

सत्यता और सभ्यता रूपी कल्चर को अपनाओ

9-03-2025

ज्ञान की कोई भी बात अथॉरिटी के साथ, सत्यता और सभ्यता से बोलो, संकोच से नहीं। प्रत्यक्षता करने के लिए पहले स्वयं को प्रत्यक्ष करो, निर्भय बनो। भाषण में शब्द कम हों लेकिन ऐसे शक्तिशाली हों जिसमें बाप का परिचय और स्नेह समाया हुआ हो, जो स्नेह रूपी चुम्बक आत्माओं को परमात्मा तरफ खींचे।

Adopt the culture of truth and good manners

Speak about any aspect of knowledge with authority as well as with truth and manners, not with hesitation. In order to bring about revelation, first of all reveal yourself. Be fearless. Let there be fewer words in your lectures, but let them be so powerful and filled with the Father's introduction and His love that the magnet of love pulls souls to God.

